F

SCR 745

ANNUAL EXAMINATION MODEL QUESTION MARCH 2020 - 21

STD. X **Third Language**

Time : 90 minutes **HINDI** **Total Score : 40**

सामान्य निर्देश :

- पहला बीस मिनट कूल ऑफ़ टाईम है ।
- इस समय प्रश्नों का वाचन करें और उत्तर लिखने की तैयारी करें ।

Score

भाग – 1 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(क) सूचना : ' बीरबहूटी ' कहानी का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 2 तक के उत्तर लिखें ।

रविवार का दिन था । साहिल अपने घर में नीम के पेड की डाली पकडकर झूम रहा था । वह एक स्टूल पर चढकर झूलता था । अचानक टूटे स्टूल की एक कील साहिल की पिंडली में लग गई । एक इंच गहरा गड्ढा हो गया था । उसे सरकारी अस्पताल में पट्टी बँधवाने केलिए ले जाया गया । उसने देखा कि दो लोगों को छोडकर आगे बेला खडी है । सिर पर पट्टी बंधवाने आई है ।

1. साहिल को क्यों अस्पताल ले जाया गया ? 1

2. प्रस्तुत प्रसंग के आधार पर **बेला की** उस दिन की **डायरी** कल्पना करके लिखें । 4

अथवा

आपके स्कूल में **' बीरबहूटी ' कहानी का नाटकीकरण** होनेवाला है। इसकेलिए आकर्षक **पोस्टर** तैयार करें।

(क) सूचना : ' सबसे बडा शो मैन ' जीवनी का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 2 तक के उत्तर लिखें ।

अंत में माँ जब उसे लेने आई तो दर्शकों ने देर तक खडे होकर तालियाँ बजाईं । कई लोगों ने माँ से हाथ मिलाकर उसके छोटे बच्चे की तारीफ की । चार्ली स्टेज पर पहली बार आया और माँ आखिरी बार ... ।

1. **नमूने के अनुसार वाक्य की पूर्ति करें ।** 1

माँ स्टेज पर गाने लगी । चार्ली स्टेज पर ------------------ ।

2. **चार्ली चैप्लिन और माँ के बीच की बातचीत को आगे बढाएँ ।** (चार विनिमय) 4

माँ - आज तूने कमाल कर दिया बेटे !

चार्ली – लेकिन मैं खुश नहीं हूँ, अम्मा ।

---- - --------------------------------

अथवा

सही मिलान करके लिखें ।

लोगों में ठहाकों की हिस्सेदारी हुई	माँ आखिरी बार आयीं ।
अंत में माँ उसे लेने आई	उसके छोटे बच्चे की तारीफ की ।
कई लोगों ने माँ से हाथ मिलाया	दर्शकों ने देर तक खडे होकर तालियाँ बजाईं ।
चार्ली स्टेज पर पहली बार आया	स्टेज पर जमकर पैसे बरसे ।

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SGRHS Ph 9497224545

भाग – 2   किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(क) सूचना : ' आई एम कलाम के बहाने ' फिल्मी लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 3 से 5 तक के उत्तर लिखें ।

मैं स्कूल जाने में रोया करता था । रोज़ नए बहाने बनाया करता और जब तेज़ बारिश के दिनों में स्कूल के रास्ते में पानी भर जाने से छुट्टी हो जाया करती तो मैं घर पर नाचा करता । लेकिन मैं समझ नहीं पाता कि मोरपाल बिना नागा रोज़ स्कूल क्यों चले आते थे ? उनका स्कूल को लेकर प्रेम इतना गहरा था कि रविवार की छुट्टी का दिन उनके लिए हफ्ते का सबसे बुरा दिन हुआ करता ।

3. मिहिर ने स्कूल में बिताए समय को अपने बचपन का सबसे खराब समय समझा करता था । क्यों ? 1

4. **सही वाक्य चुनकर लिखें ।** 1

(क) बाँछें खिल जाने लगी ।   (ख) बाँछें खिल जाना लगी ।

(ग) बाँछें खिल जानी लगी ।   (घ) बाँछें खिल जाने लगीं ।

5. **वार्तालाप को आगे बढाएँ ।** 4

मोरपाल - यार तुम कल कहाँ गए थे?

मिहिर - बारिश में कोई स्कूल आएगा क्या?

------- - --------------------------------

अथवा

पाठभाग के आधार पर **मोरपाल** की **चरित्रगत विशेषताओं पर टिप्पणी** लिखें ।

* गरीब   * खेत मजूरी करते माँ-बाप   * स्कूल जाना पसंद करनेवाला

* दोस्त से प्यार करनेवाला   * रोज़ स्कूल जाना चाहनेवाला

(ख) सूचना : ' बसंत मेरे गाँव का ' लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 3 से 5 तक के उत्तर लिखें ।

ठंड के मौसम में बर्फीले इलाकों से निचले इलाकों में उतरे पशुचारक वापस घरों को लौटने लगते हैं । महीनों के बाद अपने घर लौटने की खुशी उत्सव का माहौल रच देती है । पशुचारकों के साथ उनकी भेड –बकरियाँ, घोडे–खच्चर और कुत्ते भी होते हैं । रास्ते में आनेवाले गाँवों से उनका लेन–देन भी होता रहता है ।

3. पशुचारकों की खुशी का कारण क्या है ? 1

(क) गंगा में पानी की धारा तेज़ है ।   (ख) सूरज तप रहा है ।

(ग) महीनों के बाद घर लौटने का समय आया है ।   (घ) ठंड का मौसम शुरू हुआ है ।

4. पशुचारक अपनी पुरानी वसूली कब की जाती है ? 1

5. ठंड के मौसम में बर्फीले इलाकों से निचले इलाकों में उतरे पशुचारक वापस घरों को लौटने लगते हैं । रास्ते में गाँववालों से उनका लेन–देन होता है । प्रस्तुत अंश के आधार पर **पटकथा** तैयार करें । 4

अथवा

मनुष्य और प्रकृति के आपसी संबंध - का संदेश देनेवाला एक **पोस्टर** तैयार करें ।

SREEJITH R. KOVOOR VARKALA, SCRT45 ph 9567224545

भाग – 3 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(क) सूचना : ' बीरबहूटी ' कहानी का यह अंश पढें और प्रश्न 6 से 8 तक के उत्तर लिखें ।

दीपावली की छुट्टियों के बाद जब स्कूल खुला तो बेला के सिर पर सफेद पट्टी बाँधी थी । कोई उसे " होए हेए होए सफेद पट्टी " कह रहा था तो कोई " सुल्ताना डाकू " तो कोई कुछ और कहकर चिढा रहा था । " ये क्या हो गया बेला ?" साहिल ने परेशान होते हुए पूछा । " छत से गिर गई " बेला ने हँसते हुए कहा और कहा , " बहुत दिन हो गए , आज खेल घंटी में गांधी चौक में लंगडी टाँग खेलेंगे। "

6. **नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें ।** 1

हम लंगडी टाँग खेलेंगे । हम लंगडी टाँग खेलते हैं ।

मैं लंगडी टाँग खेलूँगी । मैं लंगडी टाँग------।

7. साहिल के परेशान होने का कारण क्या था ? 2

8. प्रस्तुत प्रसंग के आधार पर साहिल की उस दिन की **डायरी** कल्पना करके लिखें । 4

अथवा

सच्ची दोस्ती विषय पर **टिप्पणी** लिखें ।

*आत्मसंबंध * सुख-दुख में साथ रहना

* आपसी सहायता * अलग होने का दुख

(ख) सूचना : ' ठाकुर का कुआँ ' कहानी का यह अंश पढें और प्रश्न 6 से 8 तक के उत्तर लिखें ।

कुप्पी की धुँधली रोशनी कुएँ पर आ रही थी । गंगी जगत की आड़ में बैठी मौके का इंतज़ार करने लगी । इस कुएँ का पानी सारा गाँव पीता है । किसीके लिए रोक नहीं, सिर्फ ये बदनज़ीब नहीं भर सकते । गंगी का विद्रोही दिल रिवाज़ी पाबंदियों और मजबूरियों पर चोटें करने लगा –हम क्यों नीच हैं और ये लोग क्यों ऊँच हैं ? इसलिए कि ये लोग गले में ताग डाल लेते हैं ? यहाँ तो जितने हैं, एक–से–एक छंटे हैं ।

6. ' सिर्फ ये बदनज़ीब नहीं भर सकते ।'– क्यों ? 1

(क) जोखू बीमार है । (ख) पानी खराब है ।

(ग) कुआँ दूर है । (घ) वे नीच जाति के हैं ।

7. **कोष्ठक के उचित शब्द सही स्थान पर रखकर पिरामिड की पूर्ति करें ।** 2

- गंगी इंतज़ार करने लगी। (मौके का, जगत की)
- गंगी आड में बैठी इंतज़ार करने लगी।
- ---------------------- ।
- ---------------------- ।

8. कहानी के आधार पर **गंगी** की **चरित्रगत विशेषताओं पर टिप्पणी** लिखें । 4

* पति से प्यार करनेवाली * आत्मविश्वास रखनेवाली * सामाजिक समस्याओं का विरोध करनेवाली

अथवा

आशय समझकर सही मिलान करके लिखें ।

रात के नौ बजे गंगी	माफी या रियायत की उम्मीद नहीं ।
किसीकेलिए रोक नहीं	रिवाज़ी पाबंदियों और मज़बूरियों पर चोटें करने लगा ।
गंगी का विद्रोही दिल	सिर्फ ये बदनसीब नहीं भर सकते ।
वह पकड ली गई तो	ठाकुर के कुएँ से पानी लेने पहुँची ।

SREEJITH R. KOVOOR VARKALA, SCRK45 ph 9567224545

भाग – 4 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(क) सूचना : ' आई एम कलाम के बहाने ' फिल्मी लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 9 से 11 तक के उत्तर लिखें ।

फिल्म में हमारा नायक का असल नाम ' कलाम ' नहीं है । ढाणी पर काम करने वाले और बच्चों की तरह उसे भी सब छोटू कहकर बुलाते हैं । उसकी माँ जैसलमेर के किसी सुदूर देहात से आकर उसे भाटी सा की चाय की थडी पर काम करने के लिए छोड जाती है । वह अंग्रेज़ी तो क्या हिंदी भी ठीक से नहीं जानती । लेकिन छोटू सिर्फ छोटू होकर नहीं जीना चाहता । वह खुद अपना नाम ' कलाम ' रख लेता है । इस नाम में उसकी आकांक्षाओं का अक्स है । उसके हाथ से बनाई चाय में जादू है । भाटी सा भी उसकी कलाकारी वाहवाही करते नहीं थकते । एक दिन रणविजय को उसके स्कूल में भाषण देने केलिए कहा जाता है । रणविजय परेशान है क्योंकि उसकी हिंदी इतनी अच्छी नहीं । कलाम यह जानता है झट एक अच्छा –सा भाषण लिख अपने दोस्त रणविजय को दे देता है । रणविजय प्रथम पुरस्कार पाता है ।

9. ' चाय में जादू है ।' - इसका मतलब क्या है ? 1

(क) चाय अच्छी नहीं है । (ख) बढिया चाय है ।
(ग) चाय बनाने के साथ जादू भी करता है । (घ) चाय बनाना नहीं आता है ।

10. छोटू की कलाकारी की प्रशंसा भाटी सा क्यों करता है ? 1

11. रणविजय से उसके स्कूल में भाषण देने केलिए कहा । वह परेशान हुआ । लेकिन छोटू ने उसकी सहायता की । इसपर अभिनंदन करते हुए कलाम के नाम रणविजय पत्र भेजता है । **रणविजय** का वह **पत्र** कल्पना करके तैयार करें । 4

(ख) सूचना : ' सबसे बडा शो मैन ' जीवनी का यह अंश पढें और प्रश्न 9 से 11 तक के उत्तर लिखें ।

माँ और मैनेजर में बहस होते देख वह वहाँ गया । मैनेजर ने चार्ली को माँ के कुछ दोस्तों के सामने अभिनय करते देखा था और वह उसे स्टेज पर भेजने की ज़िद करने लगा। माँ डर गई। पाँच साल का बच्चा इस उग्र भीड को झेल पाएगा !

1. चार्ली को स्टेज पर भेजने की ज़िद किसने की ? 1

(क) माँ ने (ख) मैनेजर ने (ग) लोगों ने (घ) चार्ली ने

2. चार्ली को स्टेज पर भेजने से माँ क्यों डर गई ? 1

3. माँ और मैनेजर के बीच बहस होने लगे । इस प्रसंग के आधार पर **पटकथा** का एक दृश्य कल्पना करके लिखें । 4

भाग – 5 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(क) सूचना : ' टूटा पहिया ' कविता की पंक्तियाँ पढें और प्रश्न 12 से 13 तक के उत्तर लिखें ।

अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी
बडे-बडे महारथी
अकेली निहत्थी आवाज़ को
अपने ब्रह्मास्त्रों से कुचल देना चाहें

12. **' शत्रु का सर्वनाश कर देना '**– के अर्थ में प्रयुक्त मुहावरा कविता से चुनकर लिखें। 1

(क) घिर जाना (ख) आश्रय लेना (ग) कुचल देना (घ) लोहा लेना

13. कवि और कविता का परिचय देते हुए इन पंक्तियों का **आशय** लिखें। 4

(ख) सूचना : ' बच्चे काम पर जा रहे हैं ' कविता की पंक्तियाँ पढें और प्रश्न 12 से 13 तक के उत्तर लिखें ।

क्या सारे मैदान, सारे बगीचे और घरों के आँगन
खत्म हो गए हैं एकाएक
तो बचा ही क्या है इस दुनिया में?
कितना भयानक होता अगर ऐसा होता
भयानक है लेकिन इससे भी ज़्यादा यह
कि हैं सारी चीज़ें हस्बमामूल

12. **' मैदान '**- का विशेषण शब्द कवितांश से चुनकर लिखें। 1

13. कवि और कविता का परिचय देते हुए इन पंक्तियों का **आशय** लिखें। 4

SREEJITH R KOVOOR VARKALA, SCRHS ph 9567224545

भाग – 6 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(क) सूचना : ' टूटा पहिया ' कविता की पंक्तियाँ पढें और प्रश्न 14 से 16 तक के उत्तर लिखें ।

इतिहासों की सामूहिक गति
सहसा झूठी पड जाने पर
क्या जाने
सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय ले !

14. **सही विकल्प चुनकर लिखें ।** 1

(क) मैं + से = मुझे (ख) मैं + को = मुझे (ग) मैं + के = मुझे (घ) मैं + ने =मुझे

15. **'अचानक '**- का समानार्थी शब्द कौन–सा है ? 1

16. ' सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय ले ! '- इससे आपने क्या समझा ? 2

(ख) सूचना : ' दिशाहीन दिशा ' यात्रावृत्त का यह अंश पढें और प्रश्न 14 से 16 तक के उत्तर लिखें ।

तीसरी ग़ज़ल सुनाकर वह खामोश हो गया । उसके खामोश हो जाने से सारा वातावरण ही बदल गया । रात, सर्दी और नाव का हिलना, इन सबका अनुभव पहले नहीं हो रहा था, अब होने लगा । झील का विस्तार भी जैसे उतनी देर के लिए सिमट गया था, अब खुल गया ।

14. **' खामोश हो जाना '** – इसका मतलब क्या है ? 1

(क) लेट जाना (ख) मौन हो जाना (ग) पेश करना (घ) इनकार करना

15. **नमूने अनुसार वाक्य बदलकर लिखें ।** 1

हम लौट जाएँ । हम लौट जाएँगे ।
आप काम करें । आप काम ------- ।

16. ' उसके खामोश हो जाने से सारा वातावरण ही बदल गया । '– इससे आपने क्या समझा ? 2

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCR145 ph 9567224545

भाग – 7 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(क) सूचना : ' आई एम कलाम के बहाने ' फिल्मी लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 17 से 19 तक के उत्तर लिखें ।

इस बीच राणा सा के कारिंदे कलाम के घर तलाशी लेने आते हैं और वहाँ कुँवर रणविजय की चीज़ों को पा कलाम पर चोरी का आरोप लगाते हैं । लेकिन कलाम फिर कलाम है । इस झूठे आरोप के सामने भी अपनी दोस्ती का प्रण नहीं तोडता । यह जानकर कि राणा कुँवर को उससे की दोस्ती की सज़ा देंगे, वह चोरी का इल्ज़ाम सह जाता है पर उन्हें अपनी दोस्ती के बारे में नहीं बताता।

17. **नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें ।** 1

प्रतिज्ञा तोडनी होगी । प्रण तोडना होगा ।

सज़ा मिलनी होगी । दंड --------------- ।

18. पाठभाग में कलाम और रणविजय के जीवन के बहुत अंतर हम देख सकते हैं । वे क्या-क्या हैं? 2

19. दोस्ती को बनाए रखने केलिए छोटू को काफी कुछ सहना पडा । अपनी परेशानियों का ज़िक्र करते हुए कलाम गाँव के अपने मित्र के नाम पर पत्र लिखता है । **छोटू का** संभावित **पत्र** तैयार करें । 4

अथवा

गरीबी देश की एक विकट समस्या है । **गरीबी** विषय पर **टिप्पणी** तैयार करें ।

(ख) सूचना : ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' टिप्पणी का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 3 तक के उत्तर लिखें ।

" व्यक्ति को नहीं जानता था, हताशा को जानता था " कहते ही वे " जानने " की हमारी उस जानी –पहचानी रूढी को तोड देते हैं जो व्यक्ति के नाम, पते, उम्र, ओहदे या जाति से जानने को जोडती है । यदि हम किसी व्यक्ति को उसकी हताशा, निराशा, असहायता या उसके संकट से नहीं जानते तो हम कुछ नहीं जानते । सडक पर घायल पडे अपरिचित व्यक्ति को देखकर क्या हम कह सकते हैं कि उसे हम नहीं जानते ? वास्तव में हम जानते हैं कि यह व्यक्ति मुसीबत में है और इसे हमारी मदद की ज़रूरत है । यह कविता मनुष्य को मनुष्य की तरह " जानने " की याद दिलाती है ।

17. सडक पर घायल पडे अपरिचित व्यक्ति को देखकर हमें क्या करना चाहिए? 1

18. **कोष्ठक के उचित शब्द सही स्थान पर रखकर पिरामिड की पूर्ति करें ।** 2

- व्यक्ति की मदद करनी चाहिए । (अपरिचित, घायल)
- सडक पर पडे व्यक्ति की मदद करनी चाहिए ।
- -----------------।
- ---------------------------- ।

19. **' रक्तदान महादान है '**- यह संदेश देते हुए **पोस्टर** तैयार करें । 4

अथवा

अंगदान महादान है । **' अंगदान का महत्व '**– विषय पर **टिप्पणी** लिखें ।

* अनमोल देन
* मानव सेवा माधव सेवा
* जीते जी या मरने के बाद दूसरों को नया जीवन
* अंधविश्वास को मिटाकर आगे आना

SREEJITH R KOVOOR VARKALA, SCR145 Mo 9567224545

उत्तर सूचिका– CODE F

भाग – 1

(क) 1. उसकी पिंडली में कील लगने से हुई चोट को पट्टी बँधवाने केलिए

2. **बेला की डायरी (अस्पताल में जाना, वहाँ साहिल को देखना)**

तारीख: ....

आज मैं अपने पापा के साथ सरकार अस्पताल में पट्टी बँधवाने गयी थी । तब वहाँ कतार में खडे साहिल को देखा । वह अपनी पिंडली में पट्टी बँधवाने आया था । स्कूल की छुट्टी होने से वह अपने घर में नीम की डाली पकडकर झूमते वक्त स्कूल की एक कील उसकी पिंडली में लग गग गई । एक इंच गहरा गड्ढा हो गया था । उसे पैर पर बहुत दर्द हो रहा था । ठीक से पैर ज़मीन पर रख न सकता था । बहुत मुश्किल से खडा था । बेचारा, कितनी बुरी हालत है उसकी । पर मुझे तो एक बात पर हँसी तो आई, कितनी एकता है हममें । अब मेरे सिर पर पट्टी है तो उसकी पिंडली में ।

अथवा

पोस्टर – कहानी का नाटकीकरण

जी.एच.एस.एस. कोल्लम
मशहूर कथाकार प्रभात की
पाँचवीं कक्षा के दो छात्रों की
सच्ची मित्रता की कहानी
बीरबहूटी
एकांकी के रूप में
आयोजन – हिंदी मंच
2019 जून 19 बुधवार को
सुबह 10 बजे स्कूल सभाभवन में
रचना - नवीन, दसवीं कक्षा
निदेशन – श्री. वरुण, हिंदी अध्यापक
प्रस्तुति – छात्र-छात्राएँ, दसवीं कक्षा
आइए... देखिए...मज़ा लूटिए...
सबका स्वागत

(ख) 1. गाने लगा ।

2. **चार्ली चैप्लिन और माँ के बीच की बातचीत को आगे बढाएँ ।**

माँ – आज तूने कमाल कर दिया बेटे !
चार्ली – लेकिन मैं खुशी नहीं हूँ अम्मा ।
माँ – क्या हुआ बेटा ?
चार्ली – आप पर लोगों ने ...
माँ – छोड दो बेटा, गाना बीच में रुक गया न ?
चार्ली – आपकी आवाज़ को क्या हुआ माँ ?
माँ – पता नहीं । लगता है अब गा नहीं सकती ...
चार्ली – ऐसा न कहो माँ ।
माँ – दर्शकों ने तुझे मान लिया है, इस पर मैं खुश हूँ ।
चार्ली – भूल जाओ माँ, सब ठीक हो जाएँगे ।

अथवा

सही मिलान करके लिखें ।

लोगों में ठहाकों की हिस्सेदारी हुई	स्टेज पर जमकर पैसे बरसे ।
अंत में माँ उसे लेने आई	दर्शकों ने देर तक खडे होकर तालियाँ बजाईं ।
कई लोगों ने माँ से हाथ मिलाया	उसके छोटे बच्चे की तारीफ की ।
चार्ली स्टेज पर पहली बार आया	माँ आखिरी बार आयीं ।

भाग – 2

(क) 3. क्योंकि मिहिर को स्कूल जाना पसंद नहीं था ।

4. बाँछें खिल जाने लगीं ।

5. **वार्तालाप को आगे बढाएँ ।**

मोरपाल - यार तुम कल कहाँ गए थे ?
मिहिर - बारिश में कोई स्कूल आएगा क्या ?
मोरपाल – तुम्हें स्कूल की छुट्टी उतना पसंद है ?
मिहिर - हाँ यार, मुझे तो स्कूल आना ही पसंद नहीं । इसलिए ऐसी किसी छुट्टी की इंतज़ार हमेशा करता रहता हूँ ।
मोरपाल – पर मुझे तो स्कूल की छुट्टी बुरी लगती है ।

SREENATH R. KOVOOR VARKALA, SCR14S ph 9567224545

मिहिर - पूछना भूल गया, तुम रोज़ नागा स्कूल क्यों आते हो ?

मोरपाल – स्कूल आते समय ही मैं घर के कमरतोड मेहनत से बचकर एक बच्चा बन जाता है ।

मिहिर - आज तुम छाछ नहीं लाया ?

मोरपाल – हाँ लाया । तुम राजमा भी लाया है न ?

मिहिर - नहीं भूला । अब हम क्लास में जाएँ । घंटी बजा होगा । क्लास टीचर को छुट्टी पत्र भी देना है ।

मोरपाल – ठीक है । जल्दी चलो ।

अथवा

टिप्पणी - मोरपाल की चरित्रगत विशेषताएँ

मिहिर की आई एम कलाम के बहाने फिल्मी लेख का पात्र है मोरपाल । वह गाँव के स्कूल में मिहिर का साथी था । वह लेखक के पास ही बैठता था । खेल घंटी में खाने की अदला-बदली करता था । लेखक के टिफिन बॉक्स में रखे राजमा को देखकर वह खुशी से खिल जाता था । अपनी गरीबी के कारण वह उसे पहली बार देखा था । घर की कमरतोड मेहनत और खेत-मजूरी से बचने केलिए वह रोज़ स्कूल आता था । स्कूल के 15 किलोमीटर दूर के किसी गाँव से साइकिल चलाकर आता था । स्कूल उसको अच्छी शिक्षा पाकर बडे आदमी बनने की जोश पैदा करता था । वह लेखक केलिए छाछ लाकर देता था । उसके पास एकमात्र कमीज़-पैंट का नया जोडा वह नीली-खाकी स्कूल यूनीफॉर्म ही थी,इसलिए इसे पहनकर वह सब कहीं जाता था । वह आठवीं तक ही पढाई कर सकता है ।

(ख) 3. महीनों के बाद घर लौटने का समय आया है । 4. बर्फीले मौसम में निचले इलाकों की ओर जाते समय

5. **पटकथा – पशुचारक और गाँववालों के बीच का लेन-देन**

स्थान - गाँव की एक सडक के किनारे ।
समय - शाम के छे बजे ।
पात्र - पशुचारक और गाँववाला ।

घटना का विवरण - पशुचारक जानवरों के साथ औषधियाँ लेकर वापस अपने घर लौटते वक्त रास्ते में एक गाँववाले से उसकी मुलाकाल होती है ।

संवाद –

पशुचारक – नमस्ते भैया, क्या चाहिए आपको ?

गाँववाला – मुझे कुछ जडी-बूटियाँ चाहिए ।

पशुचारक – बताइए क्या-क्या चाहिए ? हमारे पास कीडाजडी, करण और चुरु हैं ।

गाँववाला – मुझे थोडा-सा कीडाजडी और चुरु चाहिए ।

पशुचारक – इतनी तो बाकी पडी है । यह तो 120 रुपए का है ।

गाँववाला – अब मेरे पास 100 रुपए ही हैं ।

पशुचारक – कोई बात नहीं, अगले साल बाकी दीजिए ।

गाँववाला – ठीक है । यह 100 रुपए ले लो, बाकी 20 रुपए अगले साल दे दूँगा ।

(जानवरों को लेकर पशुचारक आगे बढ जाते हैं ।)

अथवा

पोस्टर (संदेश) points – प्रकृति और मनुष्य के आपसी संबंध

1. प्रकृति हमारी माँ, हम सबकी जान...
   करो इसका सम्मान,प्रकृति की रक्षा हमारी सुरक्षा ।
2. मनुष्य और प्रकृति का संबंध अटूट...
   प्रकृति नहीं है तो मानव भी नहीं ।
3. प्राकृतिक वस्तुओं का शोषण कम करो...
   प्राकृतिक दुर्घटनाओं से रक्षा पाओ ।
4. स्वच्छ प्रकृति स्वस्थ जीवन का आधार...
   प्रकृति के बिना मनुष्य का अस्तित्व नहीं ।
5. पहाडियों को गिराना, जंगल-पेडों की कटाई,
   जलस्रोतों व खेतों को मिटाना आदि बंद करो...
   प्रकृति का संतुलन कायम रखो ।
6. प्रकृति को संभालो...
   हमारेलिए... आगामी पीढी केलिए... ।

विश्व पर्यावरण दिवस – जून 5

भाग – 3

(क) 6. खेलता हूँ ।

7. दीपावली की छुट्टियों के बादस्कूल खुला तो बेला के सिर पर पट्टी बाँधी थी । कोई उसे सफेद पट्टी कह रहा था तो कोई सुल्ताना डाकू तो कोई कुछ और कहकर चिढा रहा था । बेला की यह हालत देखकर साहिल परेशान हो गया ।

8. **साहिल की डायरी (गाँधी चौक का खेल)**

तारीख: ....

दीपावली की छुट्टियों के बाद स्कूल खुला । मैं सबेरे ही स्कूल पहुँचा । थोडी देर बाद बेला आई । उसके सिर पर सफेद पट्टी बाँधी थी । बच्चे उसकी हँसी उठाने लगे । मैं उसके पास गया । वह छत से गिर गई थी । बहुत दिन हो गए थे । देखकर मुझे बहुत दुख हुआ । बाद में वह हमारे साथ गाँधी चौक में लंगडी टाँग खेली । मैं परेशान था यदि उसके सिर पर फिर से चोट लगी तो...। पर ऐसा कुछ नहीं हुआ । पूरी खेल घंटी हम खुशी से खेलते रहे ।

SREEJITH K, KOVOOR VARKALA, SCRHS pk 9562141215

अथवा

टिप्पणी – सच्ची मित्रता

जीवन में दोस्ती का स्थान महत्वपूर्ण है। दो व्यक्तियों के बीच का आत्मसंबंध दोस्ती का आधार है। एक कहावत है यदि आपका मित्र अच्छा है तो आपको दर्पण की कोई आवश्यकता नहीं है। दोस्तों को चुनते समय हमें बहुत सतर्क रहना चाहिए। क्योंकि कुछ लोगों की मित्रता सच्ची नहीं होती। असली दोस्ती में एक दूसरे को पूर्ण रूप से जानता है , अपनी बातें बिना कोई हिचक से दूसरे से बाँटते हैं। सच्चा मित्र मिलना बडे सौभाग्य की बात होती है। सच्चा मित्र किसी भी आपत्ति में अपने मित्र को छोडकर नहीं जाता। वे सुख में हो या दुख में साथ रहते हैं। सच्ची मित्रता में जाति , धर्म आदि किसी भी भेदभाव की भावना नहीं होती। सच्चे मित्रों से अलग होना बहुत दुखदायक होता है। समाज में जीने केलिए अच्छी दोस्ती बहुत सहायक होता है।

(ख) 6. वे नीच जाति के हैं।

7. गंगी आड में बैठी **मौके का** इंतज़ार करने लगी।

गंगी **जगत की** आड में बैठी मौके का इंतज़ार करने लगी।

8. **टिप्पणी - गंगी की चरित्रगत विशेषताएँ**

गंगी मुंशी प्रेमचंद की मशहूर कहानी ‘ ठाकुर का कुआँ ‘ की नायिका है। वह निम्नजाति की मानी जाती है। उसके पति जोखू बीमार है। पीने केलिए पति को साफ पानी दे न पाने से वह परेशान होती है। ठाकुर के कुएँ से पानी लेने जाने पर जोखू उसे डाँटता है। लेकिन वह पीछे मुडनेवाली नहीं थी। रात को चुपके –चुपके वह ठाकुर के कुएँ से पानी लाने जाती है। अत्यधिक सावधानी से पानी लेते समय ठाकुर का दरवाज़ा खुलता है और गंगी वहाँ से बच जाती है। उसका विद्रोही दिल रिवाज़ी पाबंदियों पर चोटें करता है। वह अपने पति से बहुत प्यार करती है। वह जानती थी कि गंदा पानी पीने से बीमारी बढ जाएगी। लेकिन बेचारी अनपढ गंगी यह नहीं जानती थी कि पानी को उबालने से उसकी खराबी दूर होती है। इस प्रकार गंगी में एक गरीब, असहाय और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ विद्रोह करनेवाली स्त्री को हम देख सकते हैं।

अथवा

आशय समझकर सही मिलान करके लिखें।

रात के नौ बजे गंगी	ठाकुर के कुएँ से पानी लेने पहुँची।
किसीकेलिए रोक नहीं	सिर्फ ये बदनसीब नहीं भर सकते।
गंगी का विद्रोही दिल	रिवाज़ी पाबंदियों और मज़बूरियों पर चोटें करने लगा।
वह पकड ली गई तो	माफी या रियायत की उम्मीद नहीं।

भाग – 4

(क) 9. बढिया चाय है।

10. क्योंकि छोटू हर काम अच्छी तरह से करता है। उसके हाथ से बनाई चाय में जादू है। वह जल्दी ही भाषाएँ सीख लेता है।

11. **कलाम के नाम रणविजय का पत्र (भाषण प्रतियोगिता जीतने पर)**

स्थान : ………………

तारीख : ………………

प्रिय मित्र,

तुम कैसे हो ? कुशल हो न ? मैं यहाँ ठीक हूँ। तुम्हारी कोई खबर नहीं कुछ दिनों से,एक खास बात बताने केलिए मैं अब यह पत्र भेज रहा हूँ।

तुम्हारी मदद से आज मुझे भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार मिला। सभी लोगों ने मेरी तारीफ की। लेकिन मेरे मन में तुम्हारा चेहरा था। मुझे मालूम है मेरी हिंदी इतनी अच्छी नहीं थी। इस भाषण के बारे में बताते वक्त तुमने झट से एक अच्छा-सा भाषण लिखकर दिया था। वह भाषण कितना आकर्षक था। दूसरों की खुशी चाहनेवाला तेरा मन कितना बडा है कलाम। मैं तुम्हारा आभारी हूँ। एक दिन तुमसे मिलने आऊँगा।

वहाँ तुम्हारी पढाई कैसे हो रही है ? तुम कब यहाँ आओगे ? परिवारवालों से मेरा प्रणाम कहना। जवाब पत्र की प्रतीक्षा से,

तुम्हारा मित्र
(हस्ताक्षर)
नाम

सेवा में,
नाम
पता।

(ख) 9. मैनेजर ने

10. पाँच साल का उसका बेटा शोर मचाती इस उग्र भीड को कैसे झेल पाएगा।

11. **पटकथा (माँ और मैनेजर के बीच का बहस)**

स्थान - एक ओडिटोरियम में, मंच के पीछे।
समय - रात के 7 बजे।
पात्र - मैनेजर, करीब 50 साल का, पतलून और कमीज़ पहना है।
चार्ली की माँ, करीब 45 साल की, चुडीदार पहनी है।

घटना का विवरण - गाते समय गले की खराबी से मंच के पीछे आई माँ से मैनेजर बातें करने लगता है। दर्शक शोर मचा रहे हैं।

संवाद –

मैनेजर - हेन्नाजी, देखिए न, दर्शक शोर मचा रहे हैं। उनको किसी न किसी तरह शामत कराना होगा।

माँ - मैं क्या करूँ, गा नहीं पा रही हूँ। मेरी आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में बदल गयी है।

मैनेजर - लेकिन इसी तरह छोड दें तो वे सब कुछ तोड देंगे। आपका बेटा है न चार्ली, वह छोटा है लेकिन किसी तरह इन दर्शकों को शांत करए तो ...

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SORTUS AW 9895124545

माँ - नहीं जी। पाँच साल का छोटा बच्चा इस उग्र भीड को कैसे झेल पाएगा। मैं नहीं मानूँगी।
मैनेजर - हमारे सामने और कोई चारा नहीं न। इसलिए बता रहा था। क्योंकि मैंने आपके बेटे को आपके मित्रों के सामने अभिनय करते हुए और गीत गाते हुए देखा था। मुझे लगता है कि इस हालत में उसकी सहायता लेना ठीक होगा।
माँ - लेकिन मैं कैसे बताऊँ, इस छोटे बच्चे को स्टेज पर भेजने के लिए। मुझे डर लगता है।
मैनेजर - हम सब तो हैं न। उसे अकेले छोडकर हम नहीं जा रहे हैं। हम उसको स्टेज पर छोडेंगे।
माँ - मैं क्या बताऊँ सर। और कोई उपाय नहीं तो आपकी मर्ज़ी।
(मैनेजर चार्ली को साथ लेकर मंच पर जाता है। माँ परदे के पीछे से यह देखती है।)

भाग – 5

(क) 12. कुचल देना

13. **कवितांश का आशय**

प्रस्तुत पंक्तियाँ आधुनिक हिंदी के मशहूर कवि **'श्री. धर्मवीर भारती'** की कविता संग्रह **'सात गीत वर्ष'** से चुनी गई 'टूटा पहिया' कविता से ली गई हैं। महाभारत युद्ध के प्रसंग को आधार बनाकर लिखी गई इस प्रतीकात्मक कविता में कवि ने वर्तमान सामाजिक स्थिति पर प्रकाश डाला है। इसमें कवि हमें यह संदेश देना चाहते हैं कि इस संसार में प्रत्येक वस्तु का अपना मूल्य है, किसी भी वस्तु को तुच्छ समझकर उपेक्षा न करना चाहिए।

कवि रथ का टूटा हुआ पहिया बताने के जैसे कहते हैं कि अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी बडे बडे महारथियों ने अपने ब्रह्मास्त्रों से अभिमन्यु की अकेली निहत्थी आवाज़ को कुचल डालना चाहा। अर्थात् शासक वर्ग अपने अधिकार और शक्ति का दुरुपयोग करके आम जनता को कुचल डालना चाहता है। यहाँ महारथी शोषक वर्ग का और ब्रह्मास्त्र शोषक के हाथ की महाशक्ति का प्रतीक है।

मानवीय मूल्यों की शक्ति व्यक्त करनेवाली यह कविता हर तरह से बिलकुल प्रासंगिक तथा अच्छी है। कवि ने कविता में सरल भाषा का प्रयोग किया है, जिससे उन्हें अपने उद्देश्य कथन में पूर्ण रूप से सफलता मिली है।

(ख) 12. सारे

13. **कवितांश का आशय**

प्रस्तुत पंक्तियाँ आधुनिक हिंदी के प्रमुख कवि श्री.राजेश जोशी की सुंदर कविता बच्चे काम पर जा रहे हैं से ली गई हैं। इसमें कवि बाल मज़दूरी पर तीखा प्रहार करते हैं।

प्रस्तुत पंक्तियों में कवि अपनी आशंका प्रकट करते हुए पूछते हैं कि क्या बच्चों के खेलने के मैदान, घरों के आँगन और सारे बगीचे एकाएक खतम हो गए हैं? अगर ऐसा है तो इस दुनीया में फिर बचा ही क्या है? यह स्थिति बहुत भयानक है। कवि के अनुसार इसे मामूली प्रथा या कायदा मानना और भी भयानक है। काम पर जाने के कारणखेलने से मिलते बच्चों का शारीरिक व मानसिक विकास के अवसर से वे वंचित हो रहे हैं। दुनिया की हज़ारों सडकों से गुज़रते हुए बच्चे बहुत छोटे बच्चे काम पर जा रहे हैं। यह दृश्य ज़रूर ही खतरनाक है। गरीब बच्चे अपनी और अपने घर की तकलीफों के कारण बचपन की खुशियाँ छोडकर काम पर जाते होंगे। इनकी समस्याओं को खतम करने का उत्तरदायित्व समाज पर है। गैर कानूनी होने पर भी बालश्रम आज भी संसार के कई देशों में चालू है। इसके विरुद्ध आवाज़ उठाने का आह्वान है यह कविता।

समाज की एक बडी समस्या को कविता के द्वारा प्रस्तुत करने में कवि को पूर्ण सफलता मिली है। कविता की भाषा अत्यंत सरल एवं हमें चिंतित करने की प्रेरणा देनेवाली है।

भाग – 6

(क) 14. मैं + को = मुझे

15. सहसा

16. आज के इस बदलते युग में भी इतिहास की सामूहिक गति सत्य और धर्म को छोडकर असत्य और अधर्म के मार्ग पर चलने लगती है। तब सत्य के पक्ष,आम जनता को अधार्मिक शक्तियों के विरोध करने में तुच्छ माननेवाले इस टूटा हआ पहिया यानी मानवीय मूल्य का सहारा लेना पडेगा। इसलिए हमें टूटा पहिया रूपी मानवीय मूल्य की उपेक्षा नहीं करना चाहिए। मुसीबत के अवसर पर अभिमन्यु केलिए टूटा पहिया कैसे उपयोगी बना उसी प्रकार आम जनता केलिए मानवीय मूल्य काम आएगा।

(ख) 14. मौन हो जाना

15. करेंगे।

16. गज़लों में मग्न रहने से बाहर की दुनिया से लेखक और मित्र कुछ समय केलिए अनजान थे। गज़ल रुकते ही वे बाहर का वातावरण यानी रात, सर्दी, नाव का हिलना और झील का विस्तार महसूस करने लगे। किसीमें मग्न होने से हम बाहर की बातों से अनजान रहना स्वाभाविक है।

भाग – 7

(क) 17. मिलना होगा।

18. कलाम गरीब घर का लडका था। पर उसका मित्र रणविजय तो राज परिवार का यानी ढाणा के राणा का बेटा था। कलाम केलिए स्कूल जाना सबसे बडा सपना था, पर रणविजय स्कूल जाना कतई पसंद नहीं करता था। कलाम चाय की दुकान में काम करता था। रणविजय तो अंग्रेज़ी स्कूल का छात्र था। कलाम को पहनने केलिए अच्छे कपडे तथा पढने केलिए पुस्तकें नहीं थे तो रणविजय के पास पहनने केलिए महंगे कपडे तथा पढने केलिए अनेक पुस्तकें थे। रणविजय सुख-सुविधाओं पर रहते समय कलाम अभावों में जीवन बिता रहा था। कलाम सीखने में तेज़ हो तो रणविजय कुछ आसली था।

SREEJITH R KAVOOR VARMALA SCRIPS PK VPS

19. **कलाम का पत्र** **(अपनी परेशानी, चोरी का आरोप)**

स्थान : ....

तारीख : ....

प्रिय मित्र,

तुम कैसे हो ? कुशल हो न ? मैं यहाँ ठीक हूँ । तुम्हारी कोई खबर नहीं कुछ दिनों से,एक खास बात बताने केलिए मैं अब यह पत्र भेज रही हूँ ।

यहाँ पर मेरा एक मित्र है जिसका नाम है रणविजय। वह राणा सा का पुत्र है। कुछ दिनों के पहले के राणा सा के कारिंदे मेरे घर की तलाशी लेने आये थे। कुँवर रणविजय की कुछ चीज़े मेरे घर से मिलीं और इससे मेरे ऊपर चोरी का आरोप लगाया गया। पर मैंने इस आरोप के सामने अपनी दोस्ती का प्रण नहीं तोडा। मैं चोरी का आरोप सह लेता था, पर रणविजय से हुई दोस्ती के बारे में नहीं बताया। इस प्रकार बहुत परेशानियाँ का अनुभव महसूस करते हुए पिछले हफ्ता चला गया।

पता नहीं, कब मुझे अपने पसंदीता स्कूल जाकर पढने का अवसर मिलेगा ? मुझे मिलने तुम कब यहाँ आओगे ? जवाब पत्र की प्रतीक्षा से,

सेवा में,
नाम
पता ।

तुम्हारा मित्र
(हस्ताक्षर)
नाम

अथवा

टिप्पणी – गरीबी

गरीबी संसार के सबसे विकट समस्याओं में से एक है । गरीबी किसी भी व्यक्ति या इंसान केलिए अत्यधिक निर्धन होने की स्थिति है । गरीबी के कारण लोग जीवन के आधारभूत ज़रूरतों जैसे रोज़ी रोटी, स्वच्छ जल, साफ कपडे, घर, उचित शिक्षा, दवाइयाँ आदि को भी नहीं प्राप्त कर पाते हैं । देश में ज़्यादातर लोग ठीक ढंग से दो वक्त की रोटी नहीं हासिल कर सकते हैं, वो सडक के किनारे सोते हैं और गंदे कपडे पहनते हैं । गरीबी का मुख्य कारण बढती जनसंख्या, कमज़ोर कृषि, भ्रष्टाचार, पुरानी प्रथाएँ, बेरोज़गारी, अशिक्षा, संक्रामक रोग आदि हैं । गरीबी की वजह से ही कोई छोटा बच्चा अपने परिवार की आर्थिक मदद केलिए स्कूल जाने के बजाय कम मजदूरी पर काम करने केलिए मजबूर हो जाते हैं । गरीबी समाज व देश की विकास केलिए खतरा उत्पन्न करती है । इसलिए गरीबी को जड से उखाडने केलिए हरेक व्यक्ति का एक-जुट होना बहुत आवश्यक है ।

(ख) 17. उसकी मदद करनी चाहिए ।

18. सडक पर पडे **अपरिचित** व्यक्ति की मदद करनी चाहिए ।
सडक पर **घायल** पडे अपरिचित व्यक्ति की मदद करनी चाहिए ।

19. **पोस्टर – रक्तदान का महत्व**

रक्तदान जीवनदान

1.रक्तदान को बनाइए अभियान, रक्तदान करके बचाइए जान ।	2. रक्त के मोल को जानो, उसमें छुपी जिंदगी को पहचानो ।
3. रक्तदान कीजिए राष्ट्रीय एकात्मता बढाइए ।	4. आपके रक्तदान के कुछ मिनट का मतलब है किसी ओर केलिए पूरा जीवनकाल ।
5. रक्तदान इंसानियत की पहचान, आओ करो रक्तदान ।	6. रक्तदान अपनाओ सबका जीवन बचाओ ।
7. रक्तदान करने से नहीं होती शरीर में कमज़ोरी, रक्तदान करने में कभी मत करना सोची समझी ।	8. मानवता के हित में काम कीजिए रक्तदान में भाग लीजिए ।

विश्व रक्तदान दिवस – जून 14

अथवा

लेख- अवयव/ अंगदान का महत्व

अवयवदान जीवन का महादान है । हम 13 अगस्त को विश्व अवयवदान दिवस मनाते हैं । मरने के बाद और जीते जी कुछ लोग अपने अवयवों को दान करने केलिए तैयार होते हैं । हमें अपने अवयवों को दान करने से अनेकों के जीवन बचा सकते हैं । आँख, किड्नी, हृदय, फेफडा, जिगर आदि शरीर अंग हम दान कर सकते हैं । इससे हम कुछ लोगों के अंधकार में डूबी ज़िंदगी को प्रकाशमय बना सकते हैं । रक्तदान से किसी ज़रूरतमंद की जान हम बचा सकते हैं । कुछ लोग मृत्यु के बाद अपने शरीर मेडिकल विद्यार्थियों को देने का निश्चय करते हैं । ऐसे लोग मरने के बाद भी समाज केलिए काम आते हैं । इसलिए हम भी अंगदान में शामिल हो जाएँ और कोई दूसरे की ज़िंदगी को बचाएँ ।